

## कान्हा बिन चैन पड़े कैसे

कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥  
जिस जिसने तेरा नाम लिया,  
आकर के कन्हैया तूने थाम लिया।

द्रौपदी ने तुम्हें पुकारा है,  
तूने आकर दिया सहारा है  
तेरे बिन लाज बचे कैसे,  
तेरे बिन चीर बढ़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे,  
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

मीरा ने तुम्हें पुकारा है,  
तूने आकर दिया सहारा है,  
तेरे बिन जहर पचे कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे,  
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

नरसी ने तुम्हें पुकारा है,  
तूने आकर दिया सहारा है,  
तेरे बिन भात भरे कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे,  
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

प्रहलाद ने तुम्हें पुकारा है,  
तूने आकर दिया सहारा है,  
तेरे बिन प्राण बचे कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे,  
कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

हरिश्चंद्र ने तुम्हें पुकारा है,  
तूने आकर दिया सहारा है,  
तेरे बिन घड़ा उचे कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे,

कान्हा बिन चैन पड़े कैसे,  
दिन कट जाए रात कटे कैसे॥

### तीनो लोकन से न्यारी राधा रानी हमारी

तीनो लोकन से न्यारी राधा रानी हमारी।  
राधा रानी हमारी, राधा रानी हमारी॥

सनकादिक तेरो यस गावे, ब्रह्मा विष्णु आरती उतारें।  
देखो इंद्र लगावे बुहारी, राधा रानी हमारी॥

सर्वेश्वरी जगत कल्याणी, ब्रज की मालिक राधा रानी।  
यहाँ कोई ना रहता भिखारी, राधा रानी हमारी॥

एक बार जो बोले राधा, कट जाएँ जीवन की बाधा।  
कृपा करो महारानी, राधा रानी हमारी॥

### मीठे रस से

मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे  
मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे राधे, राधे  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे राधे, राधे  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे जय हो

राधे, राधे, जय हो

जमुना मैया मै कारी-कारी राधा गोरी-गोरी

जमुना मैया मै कारी-कारी राधा गोरी-गोरी

वृंदावन में धूम मचावे बरसा लेकी छोरी

वृंदावन में धूम मचावे बरसा लेकी छोरी

देखो, वृंदावन में धूम मचावे बरसा लेकी छोरी

वृंदावन में धूम मचावे बरसा लेकी छोरी

हो, बृजधाम राधा जूँकि रजधानी लागे, रजधानी लागे (जय हो, राधे, राधे)

मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

बृजधाम राधा जूँकि रजधानी लागे, रजधानी लागे राधे, राधे, जय हो

मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

जय हो, राधे, राधे, जय हो

कान्हा नित मुरली में तेरे सुमिरे बारंबा रं र

कान्हा नित मुरली में तेरे सुमिरे बारंबा रं र

देखो, कोटिन रूप धरे मनमोहन कहु ना पावे पार

कोटिन रूप धरे मनमोहन कहु ना पावे पार

हो, रूप-रंगरं की छबिली पटरानी लागे, पटरानी लागे (जय हो, राधे, राधे)

मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

रूप-रंगरं की छबिली पटरानी लागे, पटरानी लागे राधे, राधे जय हो

मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

हो, मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे (राधे, राधे, जय हो)

मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

राधे, राधे, जय हो, जय हो

ना भावे मन-माखन-मिसरी, अब ना कोई मिठाई (राधे)

ना भावे मन-माखन-मिसरी, अब ना कोई मिठाई

ना भावे मन-माखन-मिसरी, अब ना कोई मिठाई (राधे)

ना भावे मन-माखन-मिसरी, अब ना कोई मिठाई

के मारी जीभड़िया ने भावे अब तो राधा नाम मलाई

मारी जीभड़िया ने भावे अब तो राधा नाम मलाई

के मारी जीभड़िया ने भावे अब तो राधा नाम मलाई

के मारी जीभड़िया ने भावे अब तो राधा नाम मलाई  
हो, ऋष भानुकी लली तो गुणधानी लागे, गुणधानी लागे (जय हो राधे, राधे)  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे  
ऋष भानुकी लली तो गुणधानी लागे, गुणधानी लागे राधे, राधे द्वारिए, जय हो  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे  
जय हो राधे, राधे  
राधा-राधा नाम रटत है जो नर आठों याम  
राधा-राधा नाम रटत है जो नर आठों याम  
राधा-राधा नाम रटत है जो नर आठों याम (राधा, राधा)  
राधा-राधा नाम रटत है जो नर आठों याम  
देखो, तिनकी बाधा दूरदू करत है राधा-राधा नाम  
तिनकी बाधा दूरदू करत है राधा-राधा नाम  
हो, राधा नाम से सफल ज़िंदगानी लागे, ज़िंदगानी लागे (जय हो राधे, राधे)  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे  
राधा नाम से सफल ज़िंदगानी लागे, ज़िंदगानी लागे (राधे, राधे, जय हो)  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे  
हो, मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे  
मीठे रस से भरयोड़ि राधा-रानी लागे, राधा-रानी लागे राधे, राधे, गाईये  
मने कारो-कारो यमुना जी रो पानी लागे

### जमुना किनारे मेरा गाँव

यमुना किनारे मेरो गांव!  
सांवरे आ जइयो आ जइयो,  
यमुना किनारे मेरी ऊंची हवेली,  
राधा रंगली है मेरो नाम,  
सांवरे आ जइयो आ जइयो, यमुना किनारे मेरो गांव  
मल मल के मैं तुजे नेहलाऊ,

माथे चंदन तिलक लगाऊं,  
पूजा करूँगी सुबह शाम,  
सांवरे आ जइयो आ जइयो, यमुना किनारे मेरो गांव

फूलन को पलना मँगवाऊं  
चुन चुन कलियाँ सेज सजाऊं,  
धीरे धीरे दाबूँगी मैं पाँव,

माखन मिश्री को भोग लगाऊं,  
अपने हाथों से तुमको खिलाऊं,  
सेवा करूँगी सुबह शाम,  
सांवरे आ जइयो आ जइयो, यमुना किनारे मेरो गांव

सांवरे आ जइयो आ जइयो, यमुना किनारे मेरो गांव  
सांवरे आ जइयो आ जइयो, यमुना किनारे मेरो गांव

### मेरे उठे विरह की पीड़ सखी

वृन्दावन जाऊँगी सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
मेरे उठे विरह की पीड़ सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
मुरली बाजे यमुना तीर सखी वृन्दावन जाऊँगी....

श्याम सलौनी सूरत पे दीवानी हो गई,  
अब कैसे धारूँ धीर सखी सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी.....

छोड़ दिया मेने भोजन पानी श्याम की याद में,  
मेरे नैन बरसे नीर सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
हो मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
मुरली बाजे यमुना तीर सखी वृन्दावन जाऊँगी....

इस दुनियां के रिश्ते नाते सब ही तोड़ दिए,  
तुझे कैसे दिखाऊँ दिल चीर सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
हो मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
मुरली बाजे यमुना तीर सखी वृन्दावन जाऊँगी....

नैन लड़े मेरे गिरधारी से बावरी हो गई,  
दुनिया से हुयी अनजान सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
हो मेरे उठे विरह की पीर सखी वृन्दावन जाऊँगी,  
मुरली बाजे यमुना तीर सखी वृन्दावन जाऊँगी....